आज की मुरली का सार ---- Date: 24-05-2014

मीठे बाबा ने बच्चों से कहा, अपने को सुधारने के लिए अटेन्शन दो, दैवीगुण धारण करो, बाप कभी किसी पर नाराज नहीं होते, शिक्षा देते हैं, इसमें डरने की बात नहीं.

एक बाप अपने लौकिक बच्चे को अच्छी बाते सिखाता हैं और बच्चा कोई गलती करता हैं तो थोड़ा कड़क हो कर समझता हैं लेकिन अगर गुस्सा करके समझाये तो बच्चा समझ ने की जगह बाप से डरने लगता हैं. फिर वह बच्चा जब अगली बार गलत काम करता हैं तो अपने बाप से छुपा कर करेगा.

यहॉ पारलौकिक बाप भी हम बच्चों को सुधारने के लिए आया हैं. हमें बार-बार अटेन्शन दिलाते हैं की ईश्वरीय पढ़ाई पर पूरा ध्यान दो और दैवीगुण धारण करो. फिर भी अगर हम गलती करते हैं तो बाप कहते हैं खबरदार बच्चे अगर अभी नहीं सुधरेंगे तो अन्त में फैल हो जायेंगे और हमारा पद भी भ्रष्ट हो जायेगा. इसका मतलब ये नहीं की बाबा हमसे नाराज हैं. बाबा तो कभी किसी से नाराज नहीं होते या कभी किसी पर गुस्सा नहीं करते. वह तो हमें शिक्षा दे रहे हैं की हम अच्छी रिती पढ़कर अच्छे नंबर से पास हो तो हमें स्वर्ग में ऊंच पद प्राप्त हो.

भक्तिमार्ग में हम साधु-संतों से डरते हैं कि कई वह हम पर नाराज होकर हमें कही शाप ना दे-दे. लेकिन यहॉ गभराने की बात नहीं, यहॉ तो स्वयं परमपिता-परमात्मा बाप बनकर हमारी पालना कर रहा हैं और टीचर बनकर हमें शिक्षा दे रहा हैं.

तो आज से हम सब प्रतिज्ञा करें की अगर हमारे से कोई भी छोटी-बंडी गलती हो जाती हैं तो बाप से छिपायेंगे नहीं, क्योंकि छिपाने से गलती सो गुना बढ़ जाती हैं और हम अपना खुद का ही नुकसान कर देते हैं. बाप से सच-सच बताकर फिर से वही गलती हम ना करें इसके लिए बाबा से हमारी आत्मा में शक्ति भरेंगे.

ॐ शांति.